RBI के आकांक्षात्मक लक्ष्य

प्रिलिम्स के लिये:

RBI, पूंजी खाता, भारतीय रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण, पूंजी खाता परिवर्तनीयता, अनिवासी जमा, भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और वैश्विक ब्रांड, डिजिटल भुगतान प्रणाली, UPI, RTGS NEFT, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (e-Rupee), वैश्वीकरण, गिफ्ट सिटी, मौद्रिक नीति ढाँचा, जलवायु परिवर्तन पहल, रुपया मसाला बॉण्ड

मेन्स के लिये:

पूंजी खाता उदारीकरण और INR अंतर्राष्ट्रीयकरण में चुनौतियाँ

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **भारत की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था** के लिये **कई आकांक्षात्मक लक्ष्यों** की रूपरेखा तैयार की है, जिसका लक्ष्य है कि जब तक यह अपने शताब्दी वर्ष, **आरबीआई@100** तक पहुँचे, तब तक इसे **"भविष्य के लिये तैयार"** किया जाए।

RBI के आकांक्षात्मक लक्ष्य क्या हैं?

- **पूंजी खाता उदारीकरण और INR अंतर्राष्ट्रीयकरण:**
  - **पूंजी खाता परिवर्तनीयता:** पूर्ण पूंजी खाता परिवर्तनीयता का प्रस्ताव, जिससे पूंजी लेनदेन के लिये रुपए और विदेशी मुद्राओं के बीच मुक्त परिवर्तन की अनुमति मिल सके।
  - **रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण: गैर-निवासियों** को **सीमा पार लेनदेन** के लिये रुपए का उपयोग करने में सक्षम बनाना तथा भारत से बाहर के व्यक्तियों के लिये रुपया खाता पहुँच को बढ़ाना।
  - **कैलिब्रेटेड ब्याज-असर वाली गैर-निवासी जमाराशियाँ:** गैर-निवासियों के लिये ब्याज-असर वाली जमाराशियों के प्रति सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण अपनाना।
  - **भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों और वैश्विक ब्रांडों को बढ़ावा देना:** भारतीय बहुराष्ट्रीय निगमों द्वारा विदेशी निवेश को समर्थन देना।
- **डिजिटल भुगतान प्रणाली का सार्वभौमिकरण:**
  - **घरेलू और वैश्विक विस्तार:** भारत की डिजिटल भुगतान प्रणालियों (UPI, RTGS NEFT) के उपयोग को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तारित करना तथा भुगतान प्रणालियों को अन्य देशों से जोड़ना।
    - शुरुआती बिंदु भारतीय भुगतान प्रणालियों को अन्य देशों के साथ एकीकृत करना हो सकता है।
  - **केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (e-Rupee):** e-Rupee **का चरणबद्ध कार्यान्वयन।**
- **भारत के वित्तीय क्षेत्र का वैश्वीकरण**:
  - **घरेलू बैंकिंग विस्तार:** बैंकिंग क्षेत्र के विकास को राष्ट्रीय आर्थिक विकास के साथ संरेखित करना।
  - **शीर्ष वैश्विक बैंक:** इसका लक्ष्य आकार और परिचालन के संदर्भ में **शीर्ष 100 वैश्विक बैंकों** में **3-5 भारतीय बैंकों इस श्रेणी के अंतर्गत लाना है** तथा भारतीय रिज़र्व बैंक को **ग्लोबल साउथ** के एक आदर्श केंद्रीय बैंक के रूप में स्थापित करना है।
  - **गिफ्ट सिटी के लिये समर्थन:** गिफ्ट सिटी को एक अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय केंद्र बनाने में **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (International Financial Services Centres Authority- IFSCA)** की सहायता करना।
- **मौद्रिक नीति रूपरेखा की समीक्षा:**
  - **संतुलन कार्य:** उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य से **मूल्य स्थिरता और आर्थिक विकास** के बीच संतुलन को संबोधित करना।
  - **नीति संचार:** मौद्रिक नीति संचार को परिष्कृत करना तथा महत्त्वपूर्ण अर्थव्यवस्थाओं में ऋण के प्रभाव को कम करना।
- **जलवायु परिवर्तन पहल: परिसंपत्ति पोर्टफोलियो के तनाव परीक्षण** के लिये मार्गदर्शन प्रदान करना, **जलवायु जोखिमों के विरुद्ध भुगतान प्रणालियों** को मज़बूत करना तथा जलवायु जोखिमों के लिये प्रकटीकरण मानदंड और सरकारी वर्गीकरण का प्रस्ताव करना।
- **लघु एवं मध्यम अवधि के उपाय:**

- **व्यापार व्यवस्था: द्वपिक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार चालान,** नपिटान तथा रुपए के साथ-साथ स्थानीय मुद्राओं में भुगतान के लयि आवश्यक दृष्टकिोण का मानकीकरण।
- **वत्तिीय बाज़ार को सुदृढ बनाना: वैश्वकि रुपया बाज़ार को बढ़ावा देना और** वदिेशी पोर्टफोलयिो नविेशक व्यवस्था **को पुनः संतुलति करना।**
- **रुपया मसाला बॉण्ड:** रुपया **मसाला बॉण्ड** पर करों की समीक्षा।
- **वैश्वकि बॉण्ड सूचकांक:** वैश्वकि बॉण्ड सूचकांक में भारतीय सरकारी बॉण्ड को शामलि करना।

रुपए के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दशिा में कदम:

- **गफिट सटिी में वकिास**
- **एशयिाई क्लयिरगि यूनयिन (Asian Clearing Union- ACU),** एक क्षेत्रीय भुगतान व्यवस्था है जो **अपने सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय आधार पर व्यापार लेनदेन के नपिटान** की सुवधिा प्रदान करती है। ACU में वर्तमान में 13 देश सदस्य हैं, **भारत भी ACU का सदस्य है।**
- मार्च 2023 में RBI ने 18 देशों के साथ **रुपया व्यापार नपिटान** की व्यवस्था लागू की।
  - इन देशों के बैंकों को भारतीय रुपए में भुगतान नपिटाने हेतु **वशिेष वास्ट्रो रुपया खाते (Special Vostro Rupee Accounts- SVRA)** खोलने की अनुमतदिी गई है।
- जुलाई 2022 में RBI ने "**भारतीय रुपये में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नपिटान**" पर एक परपित्र जारी कयिा।
- RBI ने रुपए में **बाह्य वाणज्यिकि उधार** (वशिेष रूप से मसाला बॉण्ड) को सक्षम कयिा।

नरसम्हिम समतिि:

- **डॉ. मनमोहन सहि** ने भारत के बैंकगि क्षेत्र का वशि्लेषण और सुधारों की सफिारशि करने हेतु वर्ष 1991 में **नरसम्हिम समति**ि की स्थापना की। इसके बाद वर्ष 1998 में नरसम्हिम समतिि गठति की गई जसिे **नरसम्हिम समतिि II** के नाम से जाना जाता है।
- **नरसम्हिम समतिि- I की सफिारशिें:**
  - **भारतीय बैंकगि प्रणाली के लयि 4-स्तरीय पदानुक्रम** जसिमें शीर्ष पर 3 या 4 प्रमुख सार्वजनकि क्षेत्र के बैंक औरअंतमि में कृषि गतवििधियिों के लयि **ग्रामीण वकिास बैंक होंगे।**
  - **बैंकों** और वत्तिीय संस्थानों की **नगिरानी के लयि** RBI के अधीन एक **अर्ध-स्वायत्त नकिाय।**
  - **वैधानकि तरलता अनुपात** में कमी
  - **पूंजी पर्याप्तता अनुपात** 8% तक पहुँचना
  - **संपत्तपिुनर्नरि्माण नधि**ि की स्थापना
- **नरसम्हिम समतिि- II की सफिारशिें:**
  - **मज़बूत बैंकगि प्रणाली:** समतिि ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लयि **प्रमुख सार्वजनकि क्षेत्र के बैंकों के वलिय** की सफिारशि की। हालाँकि, समतिि ने **कमज़ोर बैंकों के साथ मज़बूत बैंकों के वलिय के खलिाफ चेतावनी दी।**
  - **RBI की भूमकिा में सुधार:** समतिि ने बैंकगि क्षेत्र में RBI की भूमकिा में सुधार की भी सफिारशि की। समतिि ने अनुभव कयिा क **RBI एक नयिामक नकिाय है, इसलयि इसे कसिी भी बैंक में स्वामतिव नहीं रखना चाहयि।**
  - **NPA:** समतिि चाहती थी कि बैंक **वर्ष 2002 तक अपने NPA को घटाकर 3%** पर लाएँ। इसने परसिंपत्तपिुनर्नरि्माण नधि या **परसिंपत्तपिुनर्नरि्माण कंपनयिों** के गठन की भी सफिारशि की।
  - **वदिेशी बैंक: इस समतिि के द्वारा** वदिेशी बैंकों के लयि न्यूनतम स्टार्ट-अप पूंजी को 10 मलियिन अमेरकिी डॉलर से बढ़ाकर 25 मलियिन अमेरकिी डॉलर करने का भी प्रस्ताव कयिा गया।

तारापोर समतिि:

- RBI ने **1997 में तारापोर समति**ि की नयिुक्तिकी थी। समतिि का गठन **पूंजी खाता लेनदेन के प्रगतशिील उदारीकरण के उद्देश्य से कयिा गया था।**
  - इसने सुझाव दयिा कि **पूर्ण परविर्तनीयता तीन चरणों में प्राप्त की जानी चाहयि** और यह प्रक्रयिा कुछ महत्त्वपूर्ण पूर्व शर्तों एवं संकेतकों के अधीन होनी चाहयि।
  - इसके द्वारा प्रत्यक्ष वदिेशी नविेश और पोर्टफोलयिो नविेश तथा वनिविेश के लयि RBI की पूर्व स्वीकृतिसमाप्त कर दी गई।
  - **बैंकों और वत्तिीय संस्थाओं को स्थानीय और वदिेशी स्वर्ण बाज़ारों में कारोबार** करने की अनुमतदिी गई।
  - FII, NRI, अनवािसी बैंकों को वायदा वनिमिय बाज़ारों में प्रवेश की अनुमतदिी गई।
  - **वत्तिीय संस्थाओं** को पूर्णतः **अधकिृत डीलर** बनने की अनुमतदिी गई।

//

RBI के आकांक्षात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने में क्या चुनौतियाँ हैं?

- **ट्रफिनि दुवधि:** यह **कसिी देश के घरेलू मौद्रकि नीति** लक्ष्यों और **अंतरराष्ट्रीय आरक्षति मुद्रा जारीकर्त्ता के रूप में** उसकी भूमिका के बीच संघर्ष का वर्णन करता है।
    - **ट्रफिनि दुवधि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था में स्थरिता बनाए रखने** और **रुपए की वैश्वकि मांग को पूरा करने के बीच संघर्ष** के रूप में प्रकट हो सकती है।
- **वनिमिय दर में अस्थरिता: मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों के लयि जारी करने से इसकी** वनिमिय दर **में अस्थरिता बढ़ सकती है, मुख्यतौर पर शुरुआती चरणों में उतार-चढ़ाव व्यापार और नविश को प्रभावति कर सकते हैं, जसिसे आर्थकि स्थरिता प्रभावति हो सकती है।**
- **नरि्यात पर प्रभाव:** रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण से वैश्वकि बाज़ारों में मुद्रा की **मांग बढ़ेगी, जसिसे भारतीय नरि्यात महँगा** हो सकता है।
- **सीमति अंतरराष्ट्रीय मांग: वैश्वकि वदिशी मुद्रा बाज़ार में रुपए का** दैनकि औसत भाग **केवल 1.6%** के नकिट है, जबकि वैश्वकि वस्तु व्यापार में भारत का हसि्सेदारी लगभग 2% है। मुख्य चुनौती वर्तमान **प्रतसि्पर्द्धी वैश्वकि बाज़ार में भारतीय उत्पादों की हसि्सेदारी को बढ़ाना** है।
- **परविर्तनीयता संबंधी चति:** पूंजीगत लेनदेन के लयि भारतीय रुपए की पूर्ण परविर्तनीयता का अभाव, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वति्त में इसके व्यापक उपयोग को प्रतबिंधति करेगा।
- **साइबर सुरक्षा संबंधी खतरे:** डजिटिल भुगतान प्रणालयिाँ साइबर हमलों के प्रतसिंवेदनशील हैं, जसिसे धोखाधड़ी और धन की हानहिो सकती है। वशि्वास बनाने के लयि उपयोगकर्त्ता डेटा की सुरक्षा और लेनदेन की सुरक्षा सुनशि्चति करने के लयि मज़बूत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता होती

है।

- **उच्च गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ (NPA):** भारतीय बैंक, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, [गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ]() ऋण के उच्च प्रतिशत (ऋण जिन्हें चुकाया नहीं जा सकता) से जूझ रहे हैं, जिससे वैश्विक वित्तीय संकट की स्थिति में उनके आघात को सहन करने की संभावना कम हो जाती है।

आकांक्षात्मक लक्ष्यों तक पहुँचने हेतु क्या कदम उठाने की आवश्यकता है?

- **रुपए की परिवर्तनीयता: तारापोरे समिति** की सिफारिश के अनुसार, वर्ष **2060 तक पूर्ण परिवर्तनीयता का लक्ष्य** होना चाहिये, ताकि भारत और विदेशों के मध्य वित्तीय निवेशों का मुक्त आवागमन हो सके।
    - इससे **विदेशी निवेशकों को सरलता से** रुपया खरीदने और बेचने की सुविधा मिलेगी, जिससे इसकी तरलता बढ़ेगी तथा यह अधिक आकर्षक बनेगा। **टोबिन टैक्स (Tobin Tax)** का प्रयोग RBI द्वारा **मुद्रा सट्टेबाज़ी के खिलाफ सुरक्षा उपाय** के रूप में किया जा सकता है।
- **तारापोरे समिति द्वारा सुझाए गए सुधार:**
    - इसमें **पूंजी खाता उदारीकरण** प्राप्त करने के लिये **राजकोषीय समेकन, मुद्रास्फीति नियंत्रण, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का स्तर कम करना,** चालू खाता घाटे को कम करना और वित्तीय बाज़ारों को मज़बूत बनाने जैसी कई महत्त्वपूर्ण शर्तें सूचीबद्ध की गई थीं।
    - **मज़बूत राजकोषीय प्रबंधन:** जैसे [राजकोषीय घाटे]() को 3.5% से कम करना, सकल मुद्रास्फीति दर को 3-5% तक कम करना और सकल बैंकिंग गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों को 5% से कम करना।
    - **व्यक्तिगत धन प्रेषण के लिये उदारीकृत योजना:** विदेशी मुद्रा से संबंधित लेन-देन करने वाले व्यक्तियों, सरल लेन-देन की सुविधा, **व्यक्तिगत धन प्रेषण** के लिये अधिक उदार योजना की शुरुआत।
- **बॉण्ड बाज़ार का निर्माण करना:** विदेशी निवेशकों और भारतीय व्यापार साझेदारों को रुपए में अधिक **निवेश विकल्प** उपलब्ध कराना, भारत में कॉर्पोरेट बॉण्ड बाज़ार के विकास के अलावा इसके अंतर्राष्ट्रीय उपयोग को सक्षम बनाना।
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रुपए की वृद्धि:** रुपए में आयात/निर्यात लेन-देन हेतु व्यापार निपटान औपचारिकताओं को अनुकूलित करना एक लंबा रास्ता तय करेगा। उदाहरण के लिये विभिन्न देशों के साथ रुपया स्वैप समझौते, रूसी तेल (Russian Oil) का भुगतान भारतीय रुपए में करना आदि।
- **भारत के वित्तीय क्षेत्र का वैश्वीकरण:** लाइसेंसिंग सुधारों के माध्यम से **घरेलू बैंकिंग विस्तार** को प्रोत्साहित करना और शाखा नेटवर्क विस्तार को प्रोत्साहित करना। रणनीतिक साझेदारी तथा अधिग्रहण के माध्यम से **भारतीय बैंकों को उनकी वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने में** सहायता करना।
    - उदाहरण के लिये **खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड को प्रदान की गई सहायता के समान ही बैंकों** को अधिग्रहण, विलय और विदेशी बैंकिंग संस्थानों के साथ सहयोग के लिये सहायता प्रदान की जा सकती है।
- **मौद्रिक नीति ढाँचे की समीक्षा: मौद्रिक नीति ढाँचे** की व्यापक समीक्षा करना, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह मूल्य स्थिरता और आर्थिक विकास लक्ष्यों के अनुरूप है।
    - बाज़ार की अपेक्षाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने हेतु मौद्रिक नीति संचार में पारदर्शिता और स्पष्टता बढ़ाना। उदाहरण के लिये बैठक के विवरण जारी करना।
- **जलवायु परिवर्तन पहल:** जलवायु परिवर्तन जोखिमों का आकलन करने के लिये परिसंपत्ति पोर्टफोलियो के तनाव परीक्षण हेतु दिशा-निर्देश जारी करना। भुगतान प्रणालियों में **जलवायु-संबंधी जोखिमों** के विरुद्ध लचीलापन अपनाने हेतु उपाय विकसित करना तथा वित्तीय संस्थाओं के साथ कार्य करना। जलवायु जोखिमों की रिपोर्टिंग के लिये प्रकटीकरण मानदंड प्रस्तावित करना तथा एक मानकीकृत सरकारी वर्गीकरण के विकास में योगदान देने की आवश्यकता है।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न: भारतीय रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के प्रयासों में भारतीय रिज़र्व बैंक के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। इन चुनौतियों से निपटने के लिये क्या उपाय किये जा सकते हैं?

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. रुपए की परिवर्तनीयता से का तात्पर्य है?(2015)

(a) रुपए के नोटों को सोना प्राप्त करना
(b) रुपए के मूल्य को बाज़ार की शक्तियों द्वारा निर्धारित होने देना
(c) रुपए को अन्य मुद्राओं में और अन्य मुद्राओं को रुपए में परिवर्तित करने की स्वतंत्र रूप से अनुज्ञा प्रदान करना
(d) भारत में मुद्राओं के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार विकसित करना

उत्तर: (c)

प्रश्न. भुगतान संतुलन केसंदर्भ में निम्नलिखित में से किससे/किनसे चालू खाता बनता है? (2014)

1. व्यापार संतुलन
2. विदेशी परिसंपत्तियाँ

3. अदृश्यों का संतुलन
4. वशिेष आहरण अधकिार

नीचे दयिे गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनयिे:

(a) केवल 1
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

?????:

प्रश्न. सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी (आई. सी. टी.) आधारति परयिोजनाओं/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन आमतौर पर कुछ वशिेष महत्त्वपूर्ण कारकों की दृष्टसि ठीक नहीं है। इन कारकों की पहचान कीजयिे और उनके प्रभावी कार्यान्वयन के उपाय सुझाइये। (2019)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aspirational-goals-of-rbi